विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -14-09-2020

विषय -हिन्दी विषय शिक्षक - पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज उपसर्ग के बारे में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

उपसर्ग

'उपसर्ग' शब्द 'उप' + 'सर्ग' शब्द के मेल से बना है, जिसमें 'सर्ग' मूल शब्द है, जिसका अर्थ होता है ग्रंथ का अध्याय जोड़ना, रचना, निर्माण करना आदि। अतः 'सर्ग' मूल शब्द से पूर्व उप' शब्दांश लगने से उसका अर्थ हुआ पहले जोड़ना। इस प्रकार मूल शब्दों के पहले अथवा आगे जो शब्दांश लगाए जाते हैं। वे उपसर्ग कहलाते हैं।

जो शब्दांश शब्द से पहले लगकर उसके अर्थ को बदल देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं; जैसे
स्व + तंत्र = स्वतंत्र,
निः + बल = निर्बल
स + पूत = सपूत,
सु + कुमार = सुकुमार

उपसर्ग के भेद – हिंदी भाषा में चार प्रकार के उपसर्ग प्रचलित हैं।

उपसर्ग

1. हिंदी के उपसर्ग
2. संस्कृत के उपसर्ग
3. उर्दू के उपसर्ग
4. **हिंदी के उपसर्ग –** हिंदी में जो उपसर्ग मिलते हैं, वे संस्कृत हिंदी तथा उर्दू भाषा के हैं।

उपसर्ग	**अर्थ**	**शब्दरूप**
औ/अव	हीनता, रहित	औघट, अवनति, अवगुण, अवतार
अन्	अभाव, नहीं	अनजान, अनपढ़, अनादि, अनुपस्थित, अनमोल
अध	आधा	अधपका, अधमरा, अधखिला

कु	बुरा	कुसंगति, कुपथ, कुकर्म, कुचाल, कुमति, कुरूप, कुचक्र
सु	सुंदर, अच्छा	सुगंध, सुवास, सुजान, सुघड़
पर	दूसरा, दूसरी पीढ़ी	परोपकार, परस्त्री, परपुरु ष, परलोक, परदादी, परनानी, परपिता
भर	पूरा	भरपेट, भरपूर, भरसक
अध	आधा	अधखिला, अधजला, अधकचरा

ति	तीन	तिगुना, तिपाई, तिराहा, तिपहिया
चौ	चार	चौराहा, चौगुना, चौमासा, चौतरफा, चौमुखी
नि	बिना, रहित	निछथा, निहाल, निपट, निठल्ला

लिखकर याद करें।